MP Board Class 8th General English Notes Chapter 5 The Miser and his Gold

The Miser and his Gold Summary

1. With in a hole which he had made
A miser kept his treasure
He came to see it every day
This was his only pleasure.

अनुवाद:
एक कंजूस अपने स्वयं के बनाये हुए एक गड्ढे में अपना खजाना रखता था। वह उसे रोज देखने आता था। यही उसका एकमात्र आनन्द था।

2. Now it chanced that once, as he knelt by the hole,
He was seen by a robber bold,
And the robber came back the very same night,
And took away his gold.

अनुवाद:
एक बार ऐसा हुआ, जैसे ही वह गड्ढे में देखने के लिए झुका उसे एक दबंग डाकू ने देख लिया। और उसी रात डाकू वापस आया और उसका सोना ले गया।

When the old man found that his treasure was
gone

3. He made such a terrible clatter
That the neighbors all came running up
To ask what was the matter.
“Last night”, he said, “a robber took
My gold and away he ran with it.”

अनुवाद:
जब बूढ़े कंजूस को मालूम हुआ कि उसका खजाना लुट गया, उसने इतना भयंकर शोर मचाया कि सारे पड़ौसी क्या हुआ, जानने के लिए भागते हुए आ गये। उसने कहा कि पिछली रात एक डाकू ने मेरा सोना ले लिया और लेकर भाग गया।

4. Said the neighbors, “Before the gold was gone,
Pray tell us what you did with it ?” “I came every day to see it, and now
What can I do ?” he said
“You can come every day,” his friend replied,
“And look at the hole instead.”

अनुवाद:
पड़ौसियों ने पूछा, “सोने के लुटने से पहले हमें। बताओ कि तुम उससे क्या करते थे ?” “मैं रोज उसे देखने आता था, और अब मैं क्या कर सकता हूँ ?” उसने कहा। उसके दोस्त ने उत्तर दिया, “तुम रोज आ सकते हो और सोने के बजाय गड्ढे को देख सकते हो।”

https://www.evidyarthi.in/